



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 1, 1992 (माघ 12, 1913)
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 1, 1992 (MAGHA 12, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

विषय	पृष्ठ	विषय	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	57	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के द्वितीय अधिकृत पाठ (एसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	77
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	97	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यात और महानेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	115
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	185	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से वित्त अधिसूचनाएं और नोटिस	123
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अधिनियम द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विधितर अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	145
भाग II—खण्ड 2—विधितर तथा विधितर पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	21
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुसूचक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1— Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	77	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)— Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	•
PART I—SECTION 2— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	97	PART II—SECTION 4— Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	•
PART I—SECTION 3— Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1— Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached Subordinate Offices of the Government of India	115
PART I—SECTION 4— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	185	PART III—SECTION 2— Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	123
PART II—SECTION 1— Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 3— Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	•
PART II—SECTION 1-A— Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 4— Miscellaneous Notifications, including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	145
PART II—SECTION 2— Bills and Reports of the Select Committee on Bills	•	PART IV— Advertisements and Notices issued by Private individuals and Private Bodies	21
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)— General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V— Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	•
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)— Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी, 1992

सं० 5प्रेज/92—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्ति को उसकी अति अमाधारण वीरता के लिए अणोक चक्र प्रदान करने का महर्ष अनुमोदन करते हैं :—

कैप्टन संदीप शाकला, (मरणोपरांत)
(आई० सी० 43956), 18 डोंगरा ।

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 8 अगस्त, 1991)

8 अगस्त, 1991 को जम्मू तथा कश्मीर के जफरखानी गांव को घेरने तथा वहां छिपे राष्ट्रविरोधी तत्वों को पकड़ने के लिए कैप्टन संदीप शाकला के नेतृत्व में 18 डोंगरा की एक सैनिक टुकड़ी भेजी गई। इस टुकड़ी के तीव्र गति से कार्रवाई करने के कारण उग्रवादियों की मायदान होने का अवसर नहीं मिला और उन्हें गांव में ही घेर लिया गया। इस पर उग्रवादियों ने कैप्टन शाकला और उनके जवानों पर चारों ओर से भयंकर गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया और गम्भीर घावों के कारण नोबे गिर गया। कैप्टन शाकला ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को जग भी परवाह न कर तुरंत घायल जवान को उठाया और उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। फिर शीघ्र लौटकर उग्रवादियों पर पुनः हमला किया और एक उग्रवादी को मार गिराया। तभी उस पर दो हथगोले फेंके गए। अवाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए उन्होंने उनमें से एक हथगोले को उठाकर वापस उग्रवादियों पर फेंक दिया जिससे एक उग्रवादी घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। इस बीच वे स्वयं बुरी तरह से घायल हो गए परन्तु इस बहादुर अधिकारी ने गम्भीर घावों के बावजूद मोर्चा सम्भालते हुए अपने जवानों का नेतृत्व जारी रखा। तभी उन्हें ए० के०-47 राइफल की गोली आ लगी। यद्यपि वे गम्भीर रूप से घायल हो चुके थे फिर भी वे उग्रवादियों पर आक्रमण तब तक करते रहे जब तक कि वे अचेत होकर गिर न पड़े। इस पर उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया परन्तु गम्भीर घावों के कारण वे घोरगति को प्राप्त हो गए और सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान किया।

इस प्रकार कैप्टन संदीप शाकला ने नेतृत्व एवं कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अति अमाधारण वीरता का परिचय दिया।

जी० के० उपाध्याय,
निदेशक

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

(तकनीकी विकास महानिदेशालय)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1992

संकल्प

सं० ए०एम के०-५(1)/90—अलकनी तथा सबुल रसायन उद्योग पर विकास नामिका को दो वर्षों की वैधता के साथ एक संकल्प, दिनांक 7-2-1990 के द्वारा पुनर्गठित किया गया है तथा तत्पश्चात् दिनांक 8-5-1991 के संकल्प द्वारा मशोधित किया गया है। विकास नामिका के सदस्य सचिव को इस संकल्प के जारी होने की तारीख से, जैसा कि नीचे दिया गया है, बदलने का निर्णय किया गया है :—

से — श्री कुलतार सिंह
विकास अधिकारी, तं०वि०मं०नि०
नई दिल्ली (अवकाश प्राप्त)

को — श्री बी० मिन्ज,
औद्योगिक मलाहकार (रसायन)
तं०वि०मं०नि०, नई दिल्ली

विकास नामिका के अन्य सदस्य तथा विचारार्थ विषय अपरिवर्तनीय होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को प्रेषित की जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सामान्य सूचना के लिए, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

मदन मोहन
निदेशक प्रशासन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1991

संकल्प

सं० एफ० 25-21/90-सू० 3 — भारतीय वार्षिक अनुसंधान परिषद्, (1977) के नियमों और विनियमों के नियम 3 की शर्तों

के अनुसार भारत सरकार एतद्वारा निम्न प्रकार से परिषद का पुन-गठन करती है :—

1

I. अध्यक्ष

प्रो० आर० बाबा गुडमणियम्, फाइल आदेश नं० 25-3/89 यू० 3
प्रमुख वर्णन शास्त्र विभाग, द्वारा 25 जून, 1990 को तीन
पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त
प्लॉट सं० 27, कुमारन नगर, किए।
लाजपेट,
पाण्डिचेरी-585006।

II. भारत सरकार द्वारा नामित बारह सदस्य

2. प्रो० पी० के० मुखौपाध्याय,
उच्च अध्ययन वर्णनशास्त्र केन्द्र,
जाधवपुर विश्वविद्यालय,
जाधवपुर।
3. प्रो० ए० रामामूर्ति,
प्रमुख वर्णन शास्त्र विभाग
हैदराबाद विश्वविद्यालय,
केन्द्रीय विश्वविद्यालय पोस्ट,
हैदराबाद।
4. प्रो० राजेन्द्र प्रसाद,
स्टेडियम के सामने,
प्रेम चन्द मार्ग
राजेन्द्र नगर,
पटना-800016।
5. प्रो० एस०एस० बार लिंगाय,
अवकाश प्राप्त प्रोफेसर,
पुणे विश्वविद्यालय,
9, मेरेस्वर एच०एम० बागेर रोड,
पुणे-411007।
6. प्रो० के० शरतचन्द्रन,
प्रोफेसर और प्रमुख,
वर्णन शास्त्र विभाग,
केरल विश्वविद्यालय,
करिआवट्टम-695581।
7. प्रो० आई०एच० आज्ञाव फारुकी,
प्रमुख, इस्लामिक अध्ययन विभाग,
जामिया मिलिया इस्लामिया,
जामिया नगर, नई दिल्ली-110025।
8. प्रो० एस०ए० शैवा,
प्रमुख मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर।
9. प्रो० रामजी सिंह,
प्रमुख गांधीवादी विश्वविद्यालय विभाग,
भागलपुर विश्वविद्यालय,
भागलपुर।
10. डा० सुजाता मिश्री,
प्रोफेसर दर्शन शास्त्र,
उत्तरी पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय,
शिलांग।
11. आर्कबिशप पीलस भार प्रेसोरियस,
दिल्ली सनातन केन्द्र,

2. तुगलकाबाद संस्थान भेद,
नई दिल्ली-110062।

12. प्रो० एस० रिनपोचे,
निदेशक,
केन्द्रीय उच्च निम्नती अध्ययन संस्थान,
मारनाथ थारणसी-221007

13. रिक्त

III. विभिन्न मण्डलों के आठ प्रतिनिधि :

(क) शिक्षा विभाग का एक प्रतिनिधि

14. सचिव,
शिक्षा विभाग,
मानव समाधान विकास मंत्रालय।

(ख) वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

15. वित्त सलाहकार,
शिक्षा विभाग,
मानव समाधान विकास मंत्रालय।

(ग) भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के दो प्रतिनिधि :

16. प्रो० के० रविदानंद मूर्ति,
अध्यक्ष, भारतीय दार्शनिक कांग्रेस,
“अपराजिता”
संगम जगन्नाथमठ,
जिया—गुन्टर-522213।
प्रो० जे० ए० शुकला,
महासचिव भारतीय दार्शनिक कांग्रेस,
प्रमुख वर्णन शास्त्र विभाग,
रानी तुगावती विश्वविद्यालय,
मध्य प्रदेश।

(घ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि :

18. प्रो० एस० के० खन्ना,
कुलपति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
बहादुरगढ़ जफर मार्ग,
नई दिल्ली।

(ङ) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का एक प्रतिनिधि :

19. प्रो० ए० एन० मित्रा,
एफ० एन० ए०, भौतिक एवं खगोल-भौतिक विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110007।

(च) प्रो० एस० जी० एस० नागयणन,

- सदस्य सचिव,
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्,
35, फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली-110001।

(छ) भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान का एक प्रतिनिधि :

21. प्रो० डॉ० एन० धनगारे,
सदस्य-सचिव,
भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्,
35, फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली।

IV परिषद् द्वारा सहयोजित किये जाने वाले चार वर्णनशास्त्री

22-25 परिषद् द्वारा सहयोजित किये जाने वाले ।

V सदस्य-सचिव

क्रम सं० 2 से 25 तक के सदस्य भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के नियमों व विनियमों के नियम, 5 के अनुसार 3 वर्ष की अवधि तक पद पर रहेंगे ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सकल्प भारत के राजपत्र में सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सकल्प की एक प्रति राज्य सरकार को भजी जाए ।

एस० जी० सांकड़,
संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1992

सं० एफ० 10-3/91-यू० 5—संघ के ज्ञापन के नियम 3 तथा 6 और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के नियमों के अन्तर्गत भारत सरकार ने निम्नलिखित सरकारी प्रतिनिधियों को अगले आदेशों तक परिषद् के सदस्यों के रूप में तत्काल नामित किया है :—

1. शिक्षा सचिव,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय ।
2. सचिव, कल्याण मंत्रालय ।
3. अपर सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ।
4. सचिव, योजना आयोग ।
5. महानिदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ।

सं० एफ० 10-3/91-यू० 5—संघ के ज्ञापन के नियम 3 तथा 6 और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के नियमों के अन्तर्गत भारत सरकार ने निम्नलिखित सामाजिक वैज्ञानिकों को 31 मार्च, 1994 तक की अवधि के लिए परिषद् के सदस्यों के रूप में तत्काल से नामित किया है :—

1. श्री रामशरण जोशी,
प्रमुख विली भ्यूरो,
नई दुनिया, आई० ई० एन० एम० भवन,
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 ।
2. श्री प्रफुल्ल बिदय,
वरिष्ठ सम्पादक,
वि टाइम्स आफ इण्डिया,
बहादुरसाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002 ।
3. प्रो० एम० मजूर आलम,
अवतनिक निदेशक,
ऊर्जा और पर्यावरण अध्ययन संस्थान,
मन्डन, 2-1-11/1,
हैदराबाद-500007 ।
4. प्रो० आर० के० हुबमर,
सामाजिक विज्ञान के प्रोफेसर और अध्यक्ष,
अनुसंधान पद्धति-विज्ञान विभाग,
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान,
मिन्नोन्-ट्राम्बे रोड, देवनगर,
बम्बई-400088 ।
5. प्रो० डी० सी० बधवा,
निदेशक, गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान,
पुणे-400004 ।

6 प्रो० एम० सी० हुवे,
डी०-504 "पुरवन्ना",
मयूर बिहार (फेज-I),
दिल्ली-110091 ।

कुमारी सुजया कृष्णन,
अवर सचिव

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी, 1992

लिपिक श्रेणी परीक्षा (समूह "घ" कर्मचारियों के लिए), 1992
नियम

सं० 9/1/92-के० से० (11)—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के ग्रेड 1/1 के अवर श्रेणी ग्रेड, समदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में नियमित रूप से नियुक्त हुए "घ" कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, के कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन्, 1992 में ली जाने वाली वयस्क ग्रेड परीक्षा (समूह "घ" कर्मचारी) 1992 अर्द्ध परीक्षा के नियम संवसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाने हैं ।

जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रविष्ट किए जायेंगे वे निम्नलिखित सेवाओं की रिक्तियों के पात्र होंगे :—

- (1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालय/कार्यालय में कार्य कर रहे हैं ।
- (2) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर्सेना संगठनों में नियुक्त हैं,
- (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) का ग्रेड-1/1 यदि वे विदेश मंत्रालय या विदेश में इसके दूतावासों में नियुक्त हैं, और
- (4) समदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में ।

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट की जाएगी ।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का मंचालन इन नियमों के परिशिष्ट में विहित विधि से किया जाएगा । किम तारीख और—कित-कित स्वतंत्र परीक्षा ली जाएगी इसका निश्चय आयोग द्वारा किया जाएगा ।

4. कोई भी स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी या "घ" कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करना हों परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

- (1) सेवा अवधि: उसने (1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में अथवा (11) सशस्त्र सेना मुख्यालय और/अथवा सेवा संगठनों अथवा (111) विदेश मंत्रालय अथवा विदेशों में इसके दूतावासों अथवा (IV) समदीय कार्य विभाग में या "घ" कर्मचारी के रूप में अथवा किसी उच्चतर ग्रेड में 1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो ।

टिप्पणी :— 1. 5 वर्ष की अनुमोदित एवं लगातार सेवा की सीमा तब भी लागू होगी, यदि उम्मीदवार की कुल गिनती

की जाने वाली सेवा आंगिक रूप में केन्द्रीय सचिवालय निपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी मंत्रालय अथवा किसी कार्यालय में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय निपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में ग्रुप "ब" कर्मचारी के रूप में और आंगिक रूप से अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्चतर ग्रेड में या विदेश मंत्रालय में और विदेशों में इसके तृतावासों अथवा संसदीय कार्य विभाग में ग्रुप "घ" कर्मचारी के रूप में हो।

टिप्पणी :- 2. जो ग्रुप "घ" कर्मचारी, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संबंध बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, वे अल्पया पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे, जो ग्रुप "घ" कर्मचारी संबंध बाह्य पद पर नियुक्त किया गया है अथवा स्थानांतरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल ग्रुप "घ" के पद पर उसका ग्रहणाधिकार बना हुआ है वह भी अल्पया पात्र होने पर परीक्षा में बैठने का पात्र है।

(2) आयु —वह 1 जनवरी, 1992 को 50 वर्ष की आयु से अधिक का नहीं होना चाहिए अर्थात् 2 जनवरी, 1992 से पहले उसका जन्म न हुआ हो। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। अगर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

(3) शैक्षणिक अर्हता: भारत में के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण पत्र जो राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता है, वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास होनी चाहिए।

टिप्पणी :- 1. यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा है। वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी :- 2 कुछ विनिष्ट मामलों में जहां कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

6. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए बांधी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :-

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है।

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जानी प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपयोग का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाते हैं, अथवा

(8) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार का दुर्व्यवहार करता, अथवा

(9) —असंगत सामग्री लिखना जिसमें पांडुलिपि में अश्लील भाषा या अश्लील सामग्री भी शामिल है, या

(10) — परीक्षा संचालन के दौरान परीक्षा भवन से प्रश्न पुस्तिका/उत्तर पत्र/आणुलिपिक नोट/टंकण लिपि ले गया हो या इसे किसी अनधिकृत व्यक्ति को दिया हो।

(11) परीक्षाओं के संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त किए गए कर्मचारियों को परेशान करना अथवा शारीरिक क्षति/बोट पहुँचाना अथवा

(12) उम्मीदवारों की परीक्षा में बैठने की अनुमति संबंधी उनके प्रवेश पत्र के साथ जारी किए गए किसी अन्य आवेदन का उल्लंघन करना अथवा

(13) पूर्व उक्त धाराओं में उल्लिखित सभी अथवा कोई एक आचरण करने का प्रयास करना अथवा यथा व्यक्ति उसको अभिप्रेषित करता।

फौजदारी मुकदमों का भारी होने के अनिश्चित उपाय पर निम्न-लिखित कार्यवाही भी की जा सकती है।

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :-

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नोकरी में रक्षित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

9. परीक्षा के बाद आयोग, प्रत्येक संबंधित संबंध प्राधिकारी को इस परीक्षा में भाग लेने वाले उन उम्मीदवारों के नामों की अलग से भिफारिश करेगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए अर्हक मानक प्राप्त करेंगे। उन उम्मीदवारों के नाम जिन्हें कर्मचारी चयन आयोग द्वारा परीक्षाओं के आधार पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त चयन पाया जाता है, उनका नाम एकल सूची में उनकी वरिष्ठता के आधार

पर उनके मूल समूह "ब" पदों में रखा जाएगा उच्च श्रेणी में पद धारण करने वाले कर्मचारी निम्न श्रेणी के कर्मचारियों में वरिष्ठ होंगे। संघीय प्राधिकारी अपने द्वारा इस संबंध में बनाए गए नियमों विधियों के अनुसार धरी जाने वाली निर्णय की गई रिक्तियों पर उनकी नियुक्ति करने के कदम उठावेंगे।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए। और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका तो उनकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की चिकित्सा की परीक्षा की जाएगी जिनके बारे में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी :—विक्रयार्थ भूतपूर्व रक्षा सेवाओं के कामियों के मामले में रक्षा सेवाओं के संन्य विघटन चिकित्सा बोर्ड द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. इस परिणाम के आधार पर की जाने वाली सभी नियुक्तियों के साथ एक शर्त यह होगी कि यदि उम्मीदवार के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध सम्मान अथवा अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा की गई अंग्रेजी या हिन्दी की कोई आवर्ती टंकण परीक्षा पहले ही पास न हो तो वह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 शब्द अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति से ऐसी परीक्षा पास करेगा। ऐसा न करने पर जब तक वह परीक्षा पास नहीं कर लेता तब तक उसे वार्षिक वृद्धि (बुद्धियां) नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो उसे अगर श्रेणी लिपिक ग्रेड में नियुक्त करने में पूर्ण मूल नियुक्ति पर अथवा अस्थायी पद पर लौटा दिया जाएगा।

टिप्पणी :—परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त जितने उम्मीदवार ने उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकण परीक्षा पहले ही पास की हो या जो अपनी नियुक्ति के 6 मास के भीतर टंकण परीक्षा पास कर लेगा उसे पहली वेतन वृद्धि एक वर्ष के बजाए छः महीने के बाद ही दी जाएगी, परन्तु इस बात में नियमित वेतन वृद्धियों में समाविष्ट कर लिया जाएगा।

12. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने ग्रुप "ब" पद की नियुक्ति से त्याग पत्र दे देता है अथवा/और किसी कारणवश नोकरी छोड़ देता है अथवा उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह किसी संवर्ग बाह्य पद पर अथवा किसी अन्य सेवा में स्थानांतरण पर नियुक्त हो जाता है और ग्रुप "ब" पद पर उसका पुनः ग्रहणाधिकार नहीं रहता है तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस ग्रुप "ब" कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

करतार सिंह,
अवर सचिव

परिशिष्ट

परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्रसं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
सघु निबन्ध		100	1½ घंटा
सामान्य अंग्रेजी		50	1 घंटा
भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान		50	1 घंटा

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में बताया गया है।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्न पत्र-I या प्रश्न पत्र-III या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में किसी में दें।

प्रश्न पत्र II के उत्तर सब उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

टिप्पणी :—1 प्रश्न पत्र-III में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी, इस प्रश्न पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए नहीं।

टिप्पणी : 2 उपर्युक्त परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना ठेका आवेदन पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे प्रश्न पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में देंगे।

टिप्पणी : 3 एक बार चुना हुआ विकल्प अंतिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध माध्यामनया स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी : 4 उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के शिवाय किसी अन्य भाषा में उत्तर देने पर कोई अंक नहीं दिए जायेंगे।

4. उम्मीदवारों को भी उत्तर अर्पण करने से शिष्टते होगी। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्क (कालिकाहंग) प्रारंभित कर सकता है।

6. केवल छिछले ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जायेंगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के लिए पूर्णांक के 5 प्रतिशत अंक काट लिए जायेंगे।

8. परीक्षा के विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग में गीत-गीत को गई अभिव्यक्ति के लिए अंक दिए जायेंगे।

अनुसूची

पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र I—सघु निबन्ध—लिख गए कई विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखना होगा।

प्रश्न पत्र II—सामान्य अंग्रेजी—उम्मीदवारों की साधारण बंध रचना, व्यावहारिक व्याकरण तथा प्रारम्भिक मारणी करण (ओकड़ों को संकलित करने तथा मारणी के रूप में उन्हें व्यवस्थित और प्रस्तुत करने की कला में उम्मीदवारों की योग्यता जाँचने के लिए) में परीक्षा ली जाएगी।

प्रश्न पत्र III—भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान —

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन वृष्टि गोचन होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिनसे किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन किया हो, आशा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल में सम्बन्धित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 14th January 1992

No. 5-Pres/92.—The President is pleased to approve the award of Ashoka Chakra for most conspicuous bravery to :—

Captain Sandeep Shankla (IC-43956), 18 Dogra
(*Posthumous*)

(Effective date of the award : 8th August, 1991)

On the 8th August, 1991, a Company of 18 Dogra under Captain Sandeep Shankla was deployed to cordon off village Zafarkhani, in J & K, and to carry out a search for the anti-national elements hiding in this village. The militants, taken off guard due to the swift action, were trapped within the village. They opened fire from various directions on Captain Shankla and his men. In the ensuing exchange of fire, one Other Rank was hit by a bullet and fell down, seriously injured. Unmindful of his personal safety, Captain Shankla moved forward, carried the injured soldier to safety and rushed back to continue the attack on the militants, killing one of them. At this stage, two hand grenades were thrown at him. Displaying rare courage and determination he picked up one of the hand grenades and threw it back at the militants, injuring one of them, who subsequently died. In the process, Captain Shankla was critically wounded but continued to lead his men from the front despite his serious injury. Soon thereafter he was hit by a bullet from an AK-47 rifle. Though seriously wounded, he continued to engage the militants till he fell down, unconscious. He was evacuated but succumbed to his injuries, making the supreme sacrifice of his life in the highest traditions of the Army.

Captain Sandeep Shankla set a glorious example of leadership and devotion to duty and displayed the most conspicuous bravery for beyond the call of duty.

A. K. UPADHYAY, Director

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

(DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 2nd January 1992

RESOLUTION

No. Alk. 9(1)/90.—The Development Panel on Alkali & Allied Chemical Industries has been reconstituted with a validity of 2 years through a Resolution dated 7-2-1990 and subsequently amended through Resolution dated 8-5-1991. It has been decided to change the Member-Secretary of the Development Panel with effect from the date of this Resolution as under :—

From—Shri Kultar Singh,
Development Officer, DGTD, New Delhi (Retired).

To—Shri B. Minj,
Industrial Adviser (Chemical),
Directorate General of Technical Development,
New Delhi.

All other Members of the Development Panel and terms of Reference remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that a Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN,
Director (Administration)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 31st December 1991

RESOLUTION

No. F. 25-21/90-U.3.—In terms of rule 3 of the Rules and Regulations of the Indian Council of Philosophical Research (1977), the Government of India hereby reconstitute the Council as follows :—

I. Chairman

1. Prof. R. Balasubramanian,
Head, Deptt. of Philosophy,
Pondicherry University,
Plot No. 27, Kumaran Nagar,
Lawspet,
Pondicherry-605008.
Appointed vide Order
No. F. 25-3/89-U.3
on 25th June, 1990
for a term of three
year

II. Twelve members nominated by the Government of India

2. Prof. P. K. Mukhopadhyaya,
Centre for Advanced Study in Philosophy,
Jadhapur University,
Jadhapur.
3. Prof. A. Ramamurthy,
Head, Deptt. of Philosophy,
University of Hyderabad,
Central University Post,
Hyderabad.
4. Prof. Rajendra Prasad,
Opposite Stadium,
Premchand Marg,
Rajendra Nagar,
Patna-800 016.
5. Prof. S. S. Barlingay,
Professor Emeritus,
Pune University,
9, Moreshwar H.S. Bamer Road,
Pune-411007
6. Prof. K. Saratchandran,
Professor and Head,
Deptt. of Philosophy,
University of Kerala,
Kariavattam-695 581.
7. Prof. I. H. Azad Farooqi,
Head, Deptt. of Islamic Studies,
Jamia Millia Islamia,
Jamia Nagar, New Delhi-110 025.
8. Prof. S. A. Shaiba,
Head, Deptt. of Humanities
& Social Sciences,
I.I.T., Kanpur.
9. Prof. Ramjee Singh,
Head, Deptt. of Gandhian Thought,
Bhagalpur University,
Bhagalpur.

- 10 Dr Sujata Miri,
Prof of Philosophy,
North Eastern Hill University
Shillong
 - 11 Archbishop Paulos Mar Gregorios,
Delhi Orthodox Centre,
2 Tughlakabad Institutional Area,
New Delhi-110 062
 - 12 Prof S Rinpoche
Director
Central Institute of Higher Tibetan Studies
Sarnath Varanasi 221 007
 - 13 Vacant
- III Eight representatives of different organisations**
- (a) *A representative of the Deptt of Education*
 - 14 Secretary,
Department of Education,
Ministry of Human Resource Development
 - (b) *A representative of the Ministry of Finance*
 - 15 Financial Adviser,
Department of Education,
Ministry of Human Resource Development
 - (c) *Two representatives of the Indian Philosophical Congress*
 - 16 Prof K Satchidananda Murty,
Chairman, Indian Philosophical Congress
"Aparajita", Sangam Jagarlamudy,
Guntur 522 213
 - 17 Prof J P Shukla
General Secretary Indian Philosophical Congress
Head, Philosophy Department
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur M P
 - (d) *A representative of the University Grants Commission*
 - 18 Prof S K Khanna
Vice Chairman, University Grants Commission,
Bahadurshah Zafar Marg
New Delhi
 - (e) *A representative of the Indian National Science Academy*
 - 19 Prof A N Mitra,
FNA, Deptt of Physics and Astrophysics
University of Delhi
Delhi 110 007
 - (f) *A representative of the Indian Council of Historical Research*
 - 20 Prof M G S Narayanan,
Member-Secretary,
Indian Council of Historical Research
35, Ferozeshah Road,
New Delhi-110 001
 - (g) *A representative of the Indian Council of Social Science Research*
 - 21 Prof D N Dhanagare,
Member-Secretary,
Indian Council of Social Science Research,
35, Ferozeshah Road,
New Delhi

IV Four Philosophers to be co-opted by the Council

22-25 To be co-opted by the Council

1 Member-Secretary of the Council

Members at S No 2-25 will hold office for a period of 3 years in terms of rule 5 of the Rules & Regulations of the Indian Council of Philosophical Research

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

ORDERED also that a copy of the Resolution may be sent to the State Governments

S G MANKAD
Jt Secy

New Delhi the 2nd January 1992

No F 10-3/91-U 5—Under Rules 3 & 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the Government of India has nominated the following Government Representatives as member of the Council with immediate effect until further orders —

- 1 Education Secretary,
Ministry of Human Resource Development
- 2 Secretary, Ministry of Welfare
- 3 Additional Secretary, Ministry of Finance
Department of Expenditure
- 4 Secretary, Planning Commission
- 5 Director General Anthropological Survey of India

No F 10-3/91-U 5—Under Rules 3 & 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the Government of India has nominated the following Social Scientists as members of the Council with immediate effect for a period up to 31st March 1994 —

- 1 Shri Ram Sharan Joshi,
Chief, Delhi Bureau
Nai Duniya, IINS Building,
Rafi Marg, New Delhi 110 001
- 2 Shri Praful Bidwai,
Senior Editor
The Times of India,
Bahadurshah Zafar Marg
New Delhi 110 002
- 3 Prof S Manzoor Alam
Hon Director,
Institute of Energy & Environmental Studies,
Rubban, 2-2-11/1
Hyderabad 500 007
- 4 Prof R K Hebsur
Professor of Social Sciences & Head,
Department of Research Methodology,
Jata Institute of Social Sciences,
SION Trombay Road
Deonar
Bombay-400 088
- 5 Prof D C Wadhwa
Director
Gokhale Institute of Politics and Economics
Pune 400 004

6. Prof. S. C. Dube,
D-504, 'Purvansha',
Mayur Vihar (Phase I),
Delhi-110 091.

MISS SUJAYA KRISHNAN,
Under Secy.

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

New Delhi-1, the 1st February 1992

CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP D
STAFF) 1992 RULES

No. 9/1/92-CS.II.—The Rules for qualifying examination viz. Clerks' Grade Examination (for Group D Staff) 1992, to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel & Training in 1992, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Group D Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, the Armed Forces Headquarters Clerical Service, Grade VI of the Indian Foreign Service Branch(B) and posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible for vacancies.

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service.
- (ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisation;
- (iii) in Grade VI of the IFS(B), if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad; and
- (iv) in posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisements to be issued by the Commission.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix to these rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Any permanent or regularly appointed temporary Group D employee who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination :—

Length of Service : He should have rendered on 1st January, 1992, not less than 5 years of approved and continuous service as a Group D employee or in any higher Grade in Ministries/Office participating in (i) the Central Secretariat Clerical Service; or

(ii) Armed Forces Headquarters and/or Inter-Services Organisation; or

(iii) in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad; or

(iv) the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE : (1) The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of the candidates is partly as a Group D employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service or in the Office participating in the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or as Group D

employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad or in posts of LDC in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE : (2) Group D employees who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A Group D employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and continuous to have a lien on a Group D posts for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

II. Age : He should not be more than 50 years of age as on 1st January, 1992 i.e. he must not have been born earlier than 2nd January, 1942.

The age limit prescribed above will be relaxable upto a maximum of 5 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

III. Educational Qualifications : Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to matriculation certificate for entry into service.

NOTE (1) : A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination, will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE (2) : In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possess qualifications, the standard of which in the opinion of Government justifies his admission to the examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means, in connection with his candidature for the examination.
- (vii) using unfair means in the examination hall; or
- (viii) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (ix) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the answer book/sheet; or

- (x) taking away Question Paper or Booklet/Answer Book or Answer Sheet with him/her from the examination hall or passing it on to the unauthorised person/persons during the conduct of the examination or
- (xi) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of the examination, or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination or
- (xiii) attempting to commit, or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses

May in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable —

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them, and
 - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
- (c) Disciplinary action under appropriate rules

8 Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination

9 After the examination, the Commission will recommend separately to each cadre authority concerned participating in the examination the names of candidates, who have attained the qualifying standard, which will be determined at the discretion of the Commission. The names of the candidates who are considered by the Staff Selection Commission to be suitable for appointment on the results of the examination shall be arranged in a single list on the basis of their seniority in the parent Group D post. The employees holding posts in higher grade will rank senior to those in the lower grade. The Cadre Authorities shall take steps to appoint them against vacancies decided to be filled in accordance with the rules/regulations framed by them in this regard

10 A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed, only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined

NOTE —In the case of the disabled ex defence Service Personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of an appointment

11 All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission, or Staff Selection Commission, he shall pass such a test at minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test

If any candidate does not pass the said typewriting test within the period of probation, he is liable to be reverted to his substantive appointment or temporary post held by him before his appointment to Lower Division Grade

NOTE A candidate appointed on the results of the examination who has already passed the typewriting test as prescribed above or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of one year's service. This will however be absorbed in the subsequent regular increment

12 A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment as a Group D employee or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by this Department or who is appointed to an ex cadre post or to another service on transfer and does not have a lien on a Group D post will not be eligible for appointment on the results of this examination

This however does not apply to a Group D employee who has been appointed on deputation to an ex cadre post with the approval of the competent authority

KARTAR SINGH,
Under Secy.

APPENDIX

The examination will be conducted according to the following scheme —

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows —

Paper No	Subject	Maximum marks	Time allowed
1	Short Essay	100	1½ hours
2	General English	50	1 hour
3	General Knowledge (including Geography of India)	50	1 hour

2 The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule to the Appendix

3 The candidates are allowed the option to Answer Paper I or Paper III or both either in Hindi (in Devanagiri Script) or in English. Paper II must be answered in English by all candidates

NOTE 1 —The option for Paper III will be for the complete paper and not for different questions in it

NOTE 2 —Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the examination in Hindi (in Devanagiri Script) should indicate their intention to do so in their applications. Otherwise, it would be presumed that they would answer the paper in English

NOTE 3 —The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

NOTE 4 —No credit will be given for answers written in a language other than the one opted by the candidate

4 Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them

5 The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subject of the examination

6 Marks will not be allotted for mere superficial knowledge

7 Deduction upto 5% of the maximum marks will be made for illegible handwriting

8 Credit will be given for orderly effective and exact expressions combined with due economy of words in all subjects of examination

*SCHEDULE**SYLLABUS*

ability in the art of compiling arranging and presenting data in a tabular form).

PAPER I : Short Essay :—

An essay to be written on any one of the several specified subjects.

PAPER II : General English :—

Candidates will be tested in simple composition applied Grammar and Elementary Tabulation (to test candidates'

PAPER III :—General Knowledge (including Geography of India) :—

Knowledge of current event and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of an scientific subject. The paper will include a questions of Geography of India.